संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

27th May, 2024

DO No. 22/News Letter/CH(IC)/2024

Dear Colleague,

Last week, Indian Customs welcomed the delegation from UAE Customs. Despite the harsh heat in Delhi, the freshness of the relationship between Indian Customs and UAE Customs led to a fruitful first meeting on the Customs Mutual Assistance Agreement (CMAA). Key points relevant to both Customs administrations were discussed, paving the way for enhanced cooperation and mutual support. The productive dialogue and shared commitment to addressing mutual concerns indicate that this will likely be the first of many more successful meetings to come.

It gives me immense satisfaction that CBIC has secured the 2nd rank in the latest GRAI rankings released by the DARPG for the month of April 2024. This matches its February ranking, but with a notable achievement – a new high score of 0.838. This milestone clearly points to the consistent and collective efforts of all the formations, especially DGTS for proactive monitoring. This improvement in score reflects a positive shift in attitude towards grievance redressal, particularly by those handling the highest number of grievances. To attain the top rank, continued and intensified efforts will be necessary, which I am sure will be forthcoming.

As you are aware, CBIC will be transitioning to GSTN Back Office next week. In this regard, the Directorate of Systems & Data Management is already in constant touch with the Zones in the past few weeks. We must

North Block, New Delhi-110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

work together as a team to ensure the transition is smooth and to resolve any teething issues on the new system. All concerned are expected to diligently adhere to the instructions conveyed by Systems from time to time.

On the Customs preventive front, the officers of DRI Kolkata developed specific intelligence regarding storage of a large quantity of Foreign Origin Gold smuggled illegally at the border village of Gunarmath, West Bengal. Acting on this intelligence, a special Cordon And Search Operation team was formed with the assistance from BSF officials and a person was apprehended from the village. Search of the house of the apprehended person resulted in recovery of foreign origin smuggled gold comprising of 89 gold biscuits weighing 16,064.580 grams and valued at Rs. 11.64 Crores which had been concealed in a drum used for keeping rice. During his interrogation, the person admitted that he was a key member of a smuggling syndicate operating in that area and that the subject gold had been smuggled into India for further distribution. Outstanding effort by DRI and a shining example of inter-agency coordination!

In another case, a coordinated action by various Zonal Units of DRI led to seizure of 10.32 Kgs of Foreign Origin Gold valued at Rs. 7.75 Crores. The turn of events were nothing less than dramatic. The officers, on specific intelligence, intercepted two passengers who were smuggling Gold in paste form along with two other persons who had come to receive them at the SVPI Airport in Ahmedabad. During further investigation, one member of the syndicate was apprehended who was enroute Mumbai while another member was intercepted who was to arrive at Ahmedabad Airport – both carrying smuggled Gold in paste form. Kudos to team DRI!

One case, on GST side, is worth mentioning. Officers of DGGI Jaipur Zonal Unit, during scrutiny of bank account of a suspect fake ITC beneficiary, observed that the taxpayer had transferred substantial amount to a bank account, which was routed through other bank accounts and finally withdrawn on daily basis. Interestingly, two bank accounts were of two firms, registered in GST for trading of foodgrains and were filing Nil

returns. From the operator of these two firms, it was revealed that some persons/ masterminds had approached him to open these firms in exchange of hefty commission. During further investigation, searches were conducted at the premises of the actual beneficiary of these huge cash transfers wherein incriminating documents were recovered in relation to creation and operation of more than 330 fake firms involved in passing of fake ITC of Rs. 667 Crores without any underlying supply of goods/ services. Full marks to team DGGI for meticulous investigation!

Until next week!

Yours sincerely,

(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

27 मई, 2024

DO No.22/News Letter/CH(IC)/2024

प्रिय सहकर्मी ,

पिछले हफ्ते, भारतीय सीमा शुल्क ने यूएई (UAE) सीमा शुल्क के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। दिल्ली में भीषण गर्मी के बावजूद, भारतीय सीमा शुल्क और यूएई सीमा शुल्क के संबंधों के बीच कस्टम म्युचअल असिस्टेंस एग्रीमेंट (Customs Mutual Assistance Agreement) पर पहली बैठक उपयोगी रही। दोनों सीमा शुल्क प्रशासनों से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई, जिससे सहयोग और आपसी समर्थन बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हुआ। उपयोगी बातचीत और आपसी दुविधाओं को दूर करने की प्रतिबद्धता से संकेत मिलता है कि यह संभवतः आने वाली कई सफल बैठकों में से पहली होगी।

मुझे इस बात से संतुष्टि है कि सीबीआईसी ने अप्रैल 2024 के लिए DARPG द्वारा जारी नवीनतम GRAI रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह फरवरी रैंकिंग से मेल खाता है लेकिन एक नया उच्च स्कोर 0.838 के साथ विशिष्ट उपलब्धि है। यह उपलब्धि स्पष्ट रूप से सक्रिय निगरानी के लिए सभी संरचनाओं, विशेषकर DGTS के निरंतर और सामूहिक प्रयासों की ओर इशारा करता है। स्कोर में यह सुधार शिकायत निवारण के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है, विशेषकर उन लोगों द्वारा जो सबसे अधिक संख्या में शिकायत प्राप्त करते हैं। शीर्ष रैंक हासिल करने के लिए निरंतर और गहन प्रयास आवश्यक होंगे, जो मुझे यकीन है कि सफल होंगे।

जैसा कि आप जानते हैं, अगले सप्ताह सीबीआईसी के सिस्टम GSTN Back Office में परिवर्तित हो जायँगे। इस संबंध में, सिस्टम और डेटा प्रबंधन निदेशालय पिछले कुछ हफ्तों से ही जोनों के साथ लगातार संपर्क में है। हमें एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह परिवर्तन व्यवस्थित हो और नई प्रणाली पर किसी भी शुरुआती समस्या का समाधान हो सके । सभी

संबंधितों से अपेक्षा की जाती है कि वे सिस्टम द्वारा समय-समय पर दिए गए निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करें।

सीमा शुल्क अपवंचन मोर्चे पर, डीआरआई कोलकाता के अधिकारियों ने पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती गांव गुनारमठ में अवैध रूप से तस्करी किए गए विदेशी मूल के सोने की बड़ी मात्रा के भंडारण के संबंध में विशिष्ट खुफिया जानकारी विकसित की। इस खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ अधिकारियों की सहायता से एक विशेष घेरा और तलाशी अभियान टीम (Special Cordon And Search Operation) का गठन किया गया जिसके बाद गांव से एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति के घर की तलाशी में विदेशी मूल का तस्करी का सोना बरामद हुआ, जिसमें 89 सोने के बिस्कुट शामिल थे, जिनका वजन 16,064.580 ग्राम था और कीमत 11.64 करोड़ रुपये । इनको चावल रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रम में छुपाए गए थे। पूछताछ के दौरान, उस व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह उस क्षेत्र में सक्रिय एक तस्करी सिंडिकेट का एक प्रमुख सदस्य था और आगे वितरण के लिए सोने की तस्करी भारत में की गई थी। डीआरआई द्वारा उत्कृष्ट प्रयास और इंटर-एजेंसी समन्वय का एक शानदार उदाहरण!

एक अन्य मामले में, डीआरआई की विभिन्न जोनल इकाइयों द्वारा समन्वित कार्रवाई के कारण 10.32 किलोग्राम विदेशी मूल का सोना जब्त किया गया, जिसका मूल्य 7.75 करोड़ रुपये था । घटनाओं का मोड़ किसी नाटकीय प्रदर्शन से कम नहीं था। अधिकारियों ने विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर दो यात्रियों को, जो पेस्ट के रूप में सोने की तस्करी कर रहे थे, दो अन्य व्यक्तियों के साथ रोका जो अहमदाबाद के SVPI हवाई अड्डे पर उन्हें लेने आए थे। आगे की जांच के दौरान, सिंडिकेट के एक सदस्य को पकड़ लिया गया जो मुंबई के रास्ते में था और एक अन्य सदस्य को रोक लिया गया जिसे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचना था - दोनों पेस्ट के रूप में तस्करी का सोना ले जा रहे थे। डीआरआई टीम को बधाई!

जीएसटी की ओर से एक मामला उल्लेखनीय है। डीजीजीआई जयपुर जोनल यूनिट के अधिकारियों ने एक संदिग्ध फर्जी आईटीसी लाभार्थी के बैंक खाते की जांच के दौरान पाया कि करदाता ने एक बैंक खाते में अधिक मात्रा में राशि हस्तांतरित की जा रही थी, जिसे अन्य बैंक खातों के माध्यम से भेजा गया था और अंततः दैनिक आधार पर वापस ले लिया जाता था। दिलचस्प बात यह है कि दो बैंक खाते दो फर्मों के थे, जो शून्य रिटर्न दाखिल कर रहे थे। इन दोनों फर्मों के संचालक से पता चला कि कुछ व्यक्तियों/मास्टरमाइंडों ने इन फर्मों को खोलने के लिए उनसे संपर्क किया था

मोटे कमिशन के बदले में । आगे की जांच के दौरान, इन भारी नकद हस्तांतरण के वास्तविक लाभार्थी के परिसरों पर तलाशी ली गई, जिसमें माल/सेवाओं की अंतर्निहित आपूर्ति के बिना 667 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी को पारित करने में शामिल 330 से अधिक फर्जी फर्मों के निर्माण और संचालन के संबंध में महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। सूक्ष्मता के साथ जांच करने के लिए डीजीजीआई टीम को पूरे अंक!

अगले सप्ताह तक ।

भवदीय,

संजय कुमार

(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण।